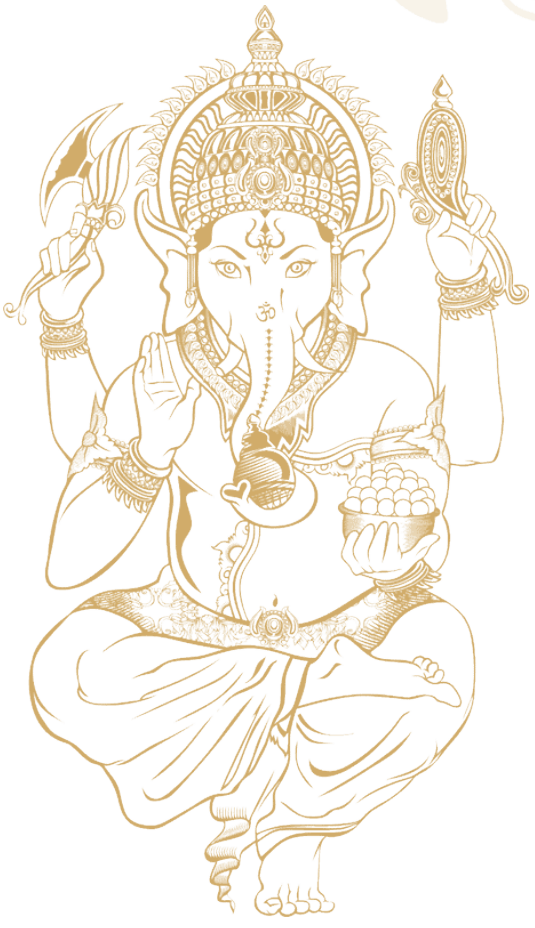

Sahil Mahek

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121919408

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/06/1997	जन्म तिथि	24/02/1998
रविवार	दिन	मंगलवार
घंटे 19:10:00	जन्म समय	08:10:00 घंटे
घटी 34:24:39	जन्म समय(घटी)	03:15:10 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:08	सूर्योदय	06:51:56
19:22:01	सूर्यास्त	18:17:15
23:49:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:48

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 0मा 25दि	05:31:50	धनु	लग्न	मीन	07:35:29	सूर्य 1वर्ष 10मा 8दि
राहु	07:20:40	मिथु	सूर्य	कुंभ	11:27:00	राहु
18/07/2018	00:57:32	मक	चंद्र	मक	05:52:29	02/01/2017
17/07/2036	07:35:57	कन्या	मंगल	कुंभ	29:30:21	03/01/2035
राहु 30/03/2021	03:21:21	मिथु	बुध	कुंभ	12:56:12	राहु 15/09/2019
गुरु 23/08/2023	27:52:09	मक व	गुरु	कुंभ	10:52:52	गुरु 08/02/2022
शनि 29/06/2026	28:37:39	मिथु	शुक्र	मक	00:27:02	शनि 15/12/2024
बुध 16/01/2029	25:11:55	मीन	शनि	मीन	23:44:26	बुध 04/07/2027
केतु 03/02/2030	29:30:52	सिंह व	राहु व	सिंह	16:42:59	केतु 22/07/2028
शुक्र 03/02/2033	29:30:52	कुंभ व	केतु व	कुंभ	16:42:59	शुक्र 23/07/2031
सूर्य 29/12/2033	14:13:35	मक व	हर्ष	मक	16:22:30	सूर्य 15/06/2032
चन्द्र 30/06/2035	05:29:05	मक व	नेप	मक	07:05:45	चन्द्र 15/12/2033
मंगल 17/07/2036	09:40:31	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	14:10:02	मंगल 03/01/2035

लग्न-चलित

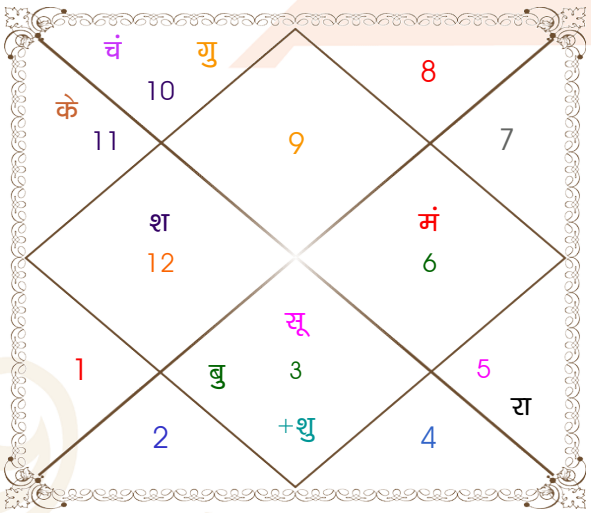

लग्न-चलित

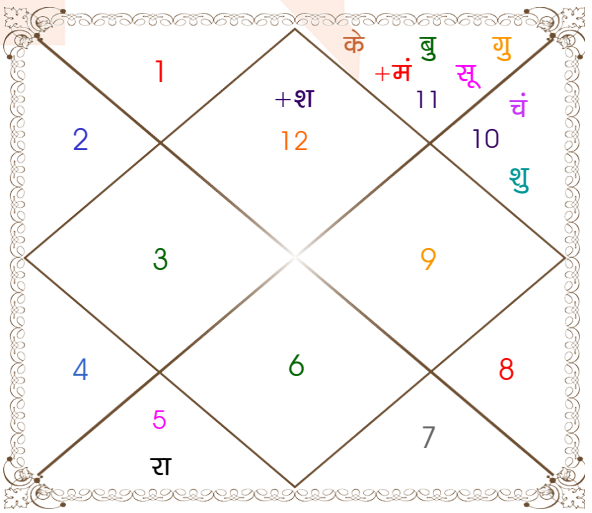

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	नकुल	नकुल	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Sahil का वर्ग मूषक है तथा Mahek का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sahil और Mahek का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sahil मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Mahek मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mahek कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Sahil तथा Mahek में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।